ANANDAM

घायल एवं बीमार गायो और जानवरो की देखभाल हेतु परियोजना

(परियोजना रिपोर्ट)

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर (राज)

(विज्ञान संकाय, नया परिसर)

मेंटर

डॉ एस एल नामा

सहायक आचार्य प्राणिशास्त्र

ग्रुप लीडर

ट्विंकल शर्मा

कक्षा - एम एससी प्राणिशास्त्र

सेमेस्टर . प्रथम सेमेस्टर

Scanned with CamScanner

* आनंदम के तहत परियोजना रिपोर्ट *

1. कॉलेज का नाम :- विज्ञान संकाय, नया परिसर, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर [राज.]

2. परियोजना का शीर्षक → Animal care, घायल और बिमार गायों जानवरों की देखभाल हेतु योजना।

3. मेंटर का नाम → डॉ. एस. एल. नामा

4. विद्यार्थी / ग्रुप लीडर का नाम :- टविंकल शर्मा

5. कक्षा → एम. एससी. प्राणी विज्ञान,

6. सेमेस्टर → प्रथम सेमेस्टर

7. प्रतिभागियों का विवरण :-

क्र. स.	प्रतिभागियों का नाम	मोबाइल नंबर	हस्ताक्षर
1.	टविंकल शर्मा [लीडर]	894-9630516	Thinkle
2.	वरालिका हर्ष	797610843	Varalika Harsh
3.	सुनीता चौधरी	9413833725	Sunita
4.	S श्यामा बिश्नोई	8210858277	Shyama

5.	निशा शर्मा	9928390981	Nisha
6.	हर्षिता पंवार	7691067482	Harshita
7.	हर्ष शर्मा	8107239154	Harshey
8.	मोहित शर्मा	9166916153	Mohit
9.	दुर्गा कंवर	9694488525	Durga Kanwar.

* परियोजना रिपोर्ट को निम्नलिखित प्रमुख बिन्दुओं में प्रस्तुत किया है :- 1. प्रस्तावना :

2. आभार :

3. अध्याय :- (i) परियोजना का परिचय
(ii) परियोजना का उद्देश्य
(iii) अपनायी जाने वाली प्रक्रिया / पद्धति
(iv) गतिविधियां और समयावधि
(v) परियोजना के दौरान सामाजिक संवाद एवं निरीक्षण व अनुमत का विवरण.

* छात्रों के नाम और हस्ताक्षर :-

1. टविंकल शर्मा Twinkle
2. मोहित शर्मा Mohit
3. निशा शर्मा Nisha
4. हर्ष शर्मा Harsh
5. वशालिका हर्ष Vanalika
6. हर्षिता पंवार Harshita
7. श्यामा बिश्नोई Shyama
8. सुनीता चौधरी Sunita choudhry
9. दुर्गा कंवर Durga

Designer
Scanned with CamScanner

★ प्रोजेक्ट रिपोर्ट के मुख्य बिन्दु :-

1. प्रस्तावना
2. आभार
3. अध्याय

1. प्रस्तावना :-

* प्रदेश के विश्वविद्यालयों में शिक्षा-सत्र में युवाओं में खुशी के साथ सकारात्मक मानवीय व्यवहार को बढ़ावा/बढ़ावा देने के उद्देश्य से आनन्दम् पाठ्यक्रम का संचालन किया गया।

* आज के दौर में जीत व प्रतिस्पर्धा जीवन का पर्याय बन गए हैं और गला काट प्रतियोगिता की इस दौड़ में युवा चिंता, अवसाद और आत्महत्या की गतिविधियों में फंसते जा रहे हैं। मानव जीवन सहानुभूति और करुणा के लिए सम्मान खो रहा है। सामाजिक समंजस्य के लिए यह जरूरी है कि युवाओं में खुशी के साथ-साथ सकारात्मक मानवीय व्यवहार का समावेश हो, जिससे युवाओं में संतोष, आत्मविश्वास, शांति और संतुष्टि बनी रहे।

* इसी उद्देश्य से आनन्दम् पाठ्यक्रम लागू किया गया। जिसके तहत अनेक परियोजनाओं का समावेश किया गया। इन्हीं परियोजनाओं में से एक विषय को आधार बनाकर हमारे समूह द्वारा कार्य किया गया जिसमें सभी ने अपने पास उपलब्ध सामग्री को एकत्रित किया तथा एक दो गोशाला का भ्रमण किया एवं वहा जा कर बिमार गायों की सेवा की।

→ SASR-Covid 19 जैसी वैश्विक महामारी में लोगो के साथ-साथ जानवरों को भी बहुत असर डाला है। लॉकडाऊन का प्रभाव जानवरों पर भी पड़ा है। इसलिए हमारे ग्रुप के लोगों ने मुहिम चलाई। और हम से जितना

Designer
Scanned with CamScanner

बन पड़ा हमने घायल जानवरों कि सेवा की परियोजना बनाई।

→ इसकी प्रेरणा हमें आनन्दम प्रोजेक्ट के तहत डॉ. एस. एल. नामा सर से मिली। इस कार्य को करने में 5-7 दिन लगे।

2. आभार → इस प्रोजेक्ट को पुरा करने मे हमारे विश्वविद्यालय के डॉ. एस. एल नामा सर का अहम योगदान रहा अतः हम सभी प्रत्यक्ष रूप से उनका आभार व्यक्त करते है ऐसी क्रम में मेरे सभी साथीगणों का भी अहम योगदान रहा है। हम हमारे परियोजना का भी आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने हमें आर्थिक रूप से मजबूत बनाकर अपना योगदान दिया जिसके फलस्वरूप हम अपनी परियोजना मे सफल हो पाये।

3. अध्याय

(i) प्रोजेक्ट का परिचय → आनन्दम उस व्यापक मानसिक स्थितियों की व्यख्या करता है जिसका अनुभव मनुष्य और अन्य जन्तु सकारात्मक, मनोरंजक और तलाश योग्य मानसिक स्थिति के रूप में करते है इसने विशिष्ट मानसिक स्थिति जैसे - सुख; मनोरंजन खुशी, परमानंद भी शामिल है।

→ इस प्रेरणा से प्रेरित होकर राजस्थान सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विश्वविद्यालयों मे आनन्दम कार्यक्रम को प्रारम्भ करने के दिशा - निर्देश दिये गये।

→ इसका उद्देश्य कॉलेज मे विद्यार्थियों को समाज के प्रति योगदान करने और बदले मे अकादमिक क्रेडिट अर्जित करना है।

→ पुर्व में वर्जित प्रोजेक्ट जिसके अन्तर्गत जरूरतमंद लोगों को उनकी जरूरत के मुताबिक चीजों का वितरण किया।

* कार्य चिन्हित क्षेत्र :- हमारे द्वारा घायल, बिमार, और सड़कों पर रहने वाले जानवरों / पशुओं की देखबाल हेतु और उनके खाने की व्यवस्था हेतु परियोजना बनाई गई और उसपर कार्य किया गया, और उन जगहों की सारनी निम्न प्रकार से है, जहाँ यह कार्य किये गये।

1. पाल रोड़ स्थित, गोपाल कृष्ण गौशाला,
2. जय नारायण व्यास विश्व-विद्यालय, भगत की कोठी,
3. सातानाड़ा, जोधपुर
4. मंडोर, जोधपुर
5. पावटा, जोधपुर

* लक्षित लाभार्थी :- योजना, सेवा और भोजन सभी चिजों का वितरण पशुओं में किया गया जिसमें कुछ बिमार, छोटे, आदि प्रकार के पशु शामिल थे, कुछ पक्षियों को भी भोजन बितरित का कार्य किया गया।

इस तरह से कुछ पशुओं / पक्षियों की भूख मिटाने उनकी सेवा का कार्य सम्पूर्ण किया गया, और रोजाना सड़को के आवारा जानवरों की थोड़ी-थोड़ी समय मिलते ही सेवा का प्रण किया गया, और भविष्य में आगे भी उनके लिये सुविधाएँ, सेवायें देने का निश्चय किया गया।

(ii) प्रोजेक्ट का उद्देश्य :- "जानवरों से प्यार करें वो भी आपसे बहुत प्यार करेंगे" देश में बहुत से जानवर सड़कों पर घूमते हैं, जो कभी भूख से, बिमारी से या किसी प्रकार की दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं, और या तो घायल हो जाते हैं, या मर जाते हैं, लेकिन बहुत से उदाहरण ऐसे हैं, जिसमें लोग अपना सम्पूर्ण जिवन पशुओं की सेवा, आदि में समर्पित कर देते हैं, ताकि जानवरों को दुःख ना भोगना पड़े, इसका एक उदाहरण है लेसली रोबिनसन

Designer
Scanned with CamScanner

जो अपना जीवन जानवरों पर समर्पित कर उनकी सेवा कर रहे हैं। इसी तरह हमारा भी यह उद्देश्य है की इस प्रोजेक्ट के माध्यम से हम जानवरों की जयादा से ज्यादा सेवा कर सकें, और अनेक लोगों को भी इसके लिये प्रेरित करें।

→ हमारे समूह द्वारा निकट के स्थान पर (पाल रोड़) स्थित एक संस्था पर 'विसिट' किया गया जहाँ पर कुछ बिमार गायों की सेवा में मदद की गई।

→ हमने गायों के लिये पर्याप्त चारा खरीद, उनको खिलाया।

→ सभी सदस्यों ने मिलकर सामग्री का प्रबंध कर बिमार गायों के लिये लापसी बनाई गई व उन्हे खिलाई गई।

→ एक बिमार बछड़े की हमारे समूह के सदस्यों द्वारा सेवा की गई, एवम चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध करवाई गई।

→ हमने भुखे जानवरों को पर्याप्त खाना खिलाया, और प्रण लिया की हम इन्हें हमेशा कुछ ना कुछ तरीके से मदद करते रहेंगें।

→ कुछ पक्षियों को भी भोजन खिलाया गया। और ऐसे ही समय मिलने पर उनकी सेवा का निर्णय लिया।

→ हमनें जानवरों व पक्षियों के लिये पानी पिने के बर्तन की व्यवस्था की और उन्हे पर्याप्त जल मिले यह सुनिश्चित किया।

→ जानवर/पशु/पक्षि बोल तो नही सकते लेकिन उनमें भी संवेदनायें होती हैं, जो हम लोगों ने उनके चहरों पर महसूस की जब उन्हे पर्याप्त सुविधा मिली। कुछ हद तक हम उन्हे खुश रखने में सफल रहे और ये प्रोजेक्ट भी सफल रहा।

(iii) अपनायी जाने वाली प्रक्रिया/पद्धति :-

→ 9 प्रतिभागियों में से २-२, ३-३ के समूह बनाये गये तथा परियोजना को सफल बनाया गया।

→ इसके अन्तर्गत २ प्रतिभागियों ने चारे का प्रबन्ध कर वितरण किया,

Designer

Scanned with CamScanner

3 प्रतिभागियों ने लापसी के लिये सामग्री का प्रबंध किया, २ प्रतिभागियों ने पानी के बर्तन का प्रबन्ध किया, और खाने की चिज्जों का प्रबन्ध कर वितरण किया गया।

→ इस दौरान निम्न दिशा-निर्देशों की भी पालना की गई।

→ सबने अपने काम को बखूबी से किया।

→ कोरोना प्रोटोकोल को ध्यान में रखते हुए मास्क का प्रयोग किया गया।

→ सभी कार्यों को करने के बाद हाथों को साबुन से धोकर सैनेटाइज्ज किया गया ताकि, किसी प्रकार की कोई बिमारी ना लग सके किसी को।

→ अलग-अलग समूहों में काम किया गया, ताकि ज्यादा भीड़-भाड़ ना हो।

(iv) गतिविधियाँ और समयावधि :-

→ गायों की सेवा, भोजन का कार्य दिन में किया गया।

→ पशुओं को खाना/भोजन आदि अगले दिन-सुबह के समय किया गया।

→ पशु/पक्षियों के लिये पानी व बर्तन अगले दिन सुबह के समय रखे गये।

→ इस प्रकार विभिन्न प्रकार की गतिविधियां अलग-अलग समयावधि में की गई जिसके कुछ फोटोग्राफ निम्न प्रकार हैं।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

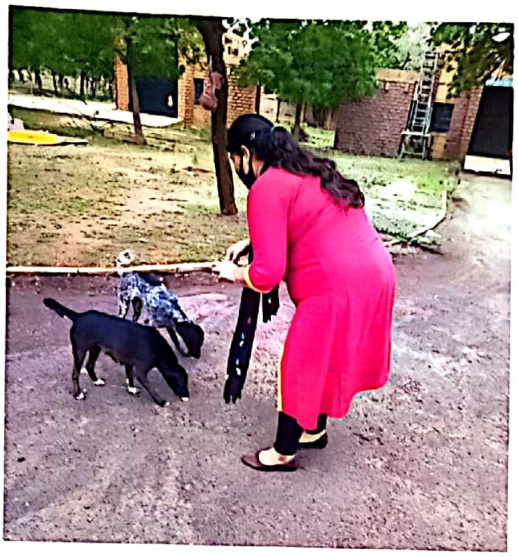

Scanned with CamScanner

Lotus Designer

Scanned with CamScanner

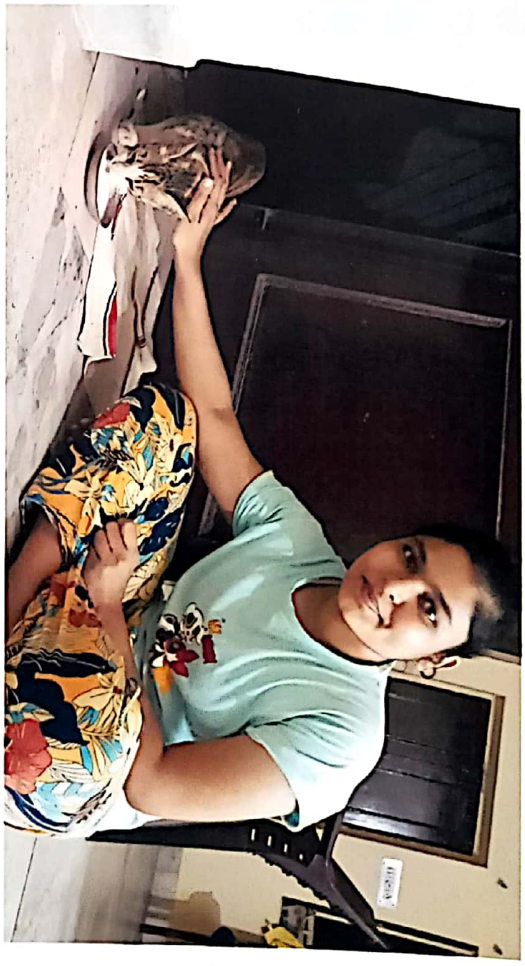

Scanned with CamScanner